छोटे शहरों में लाइट मेट्रो के लिए नए सिरे से सर्वे

बेहतर सिटी ट्रांसपोर्ट के लिए कई विकल्पों पर किया जा रहा मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के छोटे शहरों में भी त्वरित व सुगम यातायात सुविधाओं के विकास को लेकर सरकार ने कवायद शुरू कर दिया है। छोटे शहरों में बेहतर सिटी ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लाइट मेट्रो समेत अन्य विकल्पों पर मंथन किया जा रहा है पहले चरण में वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ व झांसी में लाइट मेट्रो के अलावा अन्य दूसरे विकल्प तलाशने के लिए सरकार ने नए सिरे से सर्वे कराने का फैसला किया है।

सर्वे में इस बात का पता लगाया जाएगा कि इन शहरों के किस-किस क्षेत्र में किस तरह की परिवहन व्यवस्था की जरूरत है वह कितना उपयोगी साबित होगा। इस संबंध में आवास विभाग जल्द ही सर्वे का काम शुरू कराने पर विचार कर रहा है। बता दें कि लखनऊ, कानपुर व आगरा की तरह इन शहरों में भी मेट्रो रेल चलाने की तैयारी थी और डीपीआर

आवास विकास सर्वे को लेकर जल्द शुरू करेगा काम

वाराणसी में रोप-वे कार चलाने के लिए एक कंपनी ने भी दिया है प्रस्ताव

भी तैयार करा लिया गया था। लेकिन, दिल्ली से मेरठ के बीच रैपिड रेल चलने की वजह से वहां के लिए प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना को स्थगित कर दिया गया था। इसी तरह वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज व झांसी को भी मेट्रो रेल परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया।

सरकार की मंशा को देखते हुए आवास विभाग अब एक बार फिर से इन सभी शहरों में लाइट मेट्रो चलाने पर विचार कर रहा है। विभाग ने तय किया है कि लाइट मेट्रो के लिए नए सिरे से स्थितियों का आकलन कराया जाएगा। साथ ही दूसरे विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा। धार्मिक महत्व की वजह से वाराणसी और प्रयागराज में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ पर्यटक भी आते हैं। इसलिए अन्य दूसरे विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक वाराणसी में रोप-वे कार चलाने के लिए प्रारंभिक प्रस्ताव तैयार किया गया है। गोदवलिया से रथयात्रा तक, रथयात्रा से कैंट रेलवे स्टेशन, कैंट स्टेशन से सिटी स्टेशन और सिटी स्टेशन से खिड़किया घाट तक इसे चलाए जाने का प्रस्ताव है। इसका कुल दायरा 10.5 किमी होगा। वैपकोस नामक कंपनी ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है। मुख्यमंत्री के यहां इसका प्रस्तुतीकरण हो चुका है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही प्रधानमंत्री कार्यालय में इसका प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।